ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252551 मो.9960562305 ईमेल-bsmirgae@gmail.com

23 अप्रैल -विश्व पुस्तक दिवस पर

हिंदी विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय आधुनिक सेवाओं के साथ कार्यतत्पर

वर्धा दि. 22 अप्रैल- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय पुस्तकालय विज्ञान से संबंधित अत्याधुनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए तत्पर हो गया है। विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के लिए इस पुस्तकालय में दी जाने वाली सेवाओं के संदर्भ में जानकारी मिली कि पुस्तकालय में लगभग एक लाख से भी अधिक पुस्तकें तथा विभिन्न भाषाओं के लगभग 83 जर्नल और मैगजीन विद्यमान हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय की एक महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत इस पुस्तकालय का नाम महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय रखा गया है। पुस्तकालय की भव्य इमारत का उदघाटन विगत 30 अगस्त को सिक्किम के राज्यपाल बी. पी. सिंह के द्वारा किया गया। पुस्तकालय के बारे में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष आनंद मंडित मलयज ने बताया कि पुस्तकालय में मुक्तद्वार पध्दति से कार्य होता है जिसके माध्यम से छात्रों को किताबें प्रदान की जाती है। विभिन्न भाषाओं की किताबों से लैस इस पुस्तकालय में स्टेकिंग, प्रोसेसिंग, कैटलॉग कक्ष, अध्ययन कक्ष, समाचार पत्र कक्ष, पीरियॉडिकल कक्ष, रिप्रोग्राफी कक्ष तथा संदर्भ कक्ष मौजूद है। डीडीसी 21वें संस्करण के तहत वर्गीकरण पध्दति पुस्तकालय द्वारा अपनायी जाती है। पुस्तकालय में विविध विषयों के एन्साक्लोपीडिया बिटानिका, अमेरिकाना, इंडियाना, एन्सायक्लोपीडिया ऑफ जिओग्राफी, गजेट ऑफ इंडिया, लिग्विस्टिक सर्वे आफ इंडिया, एन्सायक्लोपीडिया ऑफ सिटी एण्ड टाउन्स आफ इंडिया आदि से लेकर साहित्यकारों की संचयिता, ग्रंथावली, पोर्ट फोलियो एवं वीडियो कैसेट का भरपूर संग्रह किया गया है। पुस्तकालय से संबंधित सेवाओं के अलावा विश्वविद्यालय में विभिन्न अनुशासनों में पढ़ाए जाने वाले विषयों पर अनुसंधान करने हेतु छात्रों को

समाचार पत्रों की क्लिपिंग, रिप्रोग्राफी तथा संदर्भ सेवाएं दी जाती है। यह पुस्तकालय अतिशीघ्र डिजिटल तकनीकयुक्त हो जाएगा। पुस्तकालय में शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के अध्ययन-अध्यापन के लिए पठन कक्ष तैयार किया गया है।

पुस्तकालय को अधिक बेहतर बनाने के लिए और पाठकों की रूचि को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय, प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन, कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे प्रयासरत है। जिसमें पुस्तकालय प्रभारी प्रो. के. के. सिंह, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष आनंद मंडित मलयज, प्रोफेशनल असिस्टेंट आशीष ठाणेकर, आनंद विश्वकर्मा, राजेंद्र मते व श्यामल भट्टाचार्य, प्रदीप आदे, प्रवीण शेलके अपना भरपूर सहयोग कर रहे हैं। कुलपति विभूति नारायण राय का संकल्प है कि इस पुस्तकालय में हिंदी, अंग्रेजी और मराठी की एक लाख से भी अधिक किताबें मौजूद तो है ही, परंतु आने वाले समय में देश की अन्य भाषाओं की पुस्तकों से भी पुस्तकालय को समृध्द किया जाएगा जिससे देश के विभिन्न राज्यों से पढन-पाठन के लिए आने वाले छात्रों को इस पुस्तकालय का लाभ होगा।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी